अति लघु उत्तरीय प्रश्न :

1 अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1. मृदा बनने के मुख्य कारणों के नाम बताइए।

उत्तर— तापमान, बहते पानी की क्रियाएँ, हवा और हिमनद।

प्रश्न 2. हिमालय की तीन महत्वपूर्ण नदियों सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र द्वारा लाई गई मृदा कौन-सी है ?

उत्तर— जलोढ़ मृदा।

प्रश्न 3. ——— के आधार पर खादर और बाँगर जलोढ़ मृदा के दो प्रकार हैं।

उत्तर— आयु।

प्रश्न 4. मृदा, जिसमें पानी सोखने की क्षमता है, कपास की खेती के लिए उत्तम है तथा रैगर मृदा के नाम से भी जानी जाती है, वह क्या कहलाती है ?

HOTS (विशेषण और मूल्यांकन)

उत्तर— काली मृदा।

प्रश्न 5. मृदा, जिसमें ह्यूमस और नमी की मात्रा कम होती है और संरचना रेतीली होती है, वह क्या कहलाती है ?

उत्तर— शुष्क/बंजर मृदा।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 6. मानवीय क्रियाएँ, जैसे वनोन्मूलन, अति पशुचारण, निर्माण और खनन आदि ——— की ओर ले जाती हैं।

उत्तर— मृदा अपरदन।

प्रश्न 7. कृषि का वह तरीका जिसमें बड़े खेतों को पट्टियों में बाँटा जाता है और फसल के बीच में घास की पट्टियाँ उगने के लिए छोड़ दी जाती हैं, उसे ——— कहते हैं।

उत्तर— पट्टी कृषि (Strip farming)

प्रश्न 8. एक कृषि वर्ष में एक बार से अधिक बोए गए क्षेत्र में, शुद्ध बोए गए क्षेत्र को जोड़ना ——— कहलाता है।

उत्तर— सकल कृषित क्षेत्र।

प्रश्न 9. राष्ट्रीय वन नीति (1952) द्वारा निर्धारित नीति के अनुसार ——— वन होना चाहिए।

उत्तर— 33% भौगोलिक क्षेत्र।

प्रश्न 10. कभी-कभी बहता पानी चिकनी मिट्टी को काटते हुए गहरी वाहिकाएँ बनाता है, इसे ——— कहते हैं।

उत्तर— अवनालिका अपरदन।

प्रश्न 11. समोच्च जुताई क्या इंगित करता है ?

उत्तर— समोच्च रेखाओं के समानांतर जुताई करने को।

प्रश्न 12. आश्रय निर्माण और मृदा अपरदन रोकने के लिए, पवन का वेग नियंत्रित करने के लिए लगाई गई पेड़ों की पंक्तियाँ ——— कहलाती हैं।

उत्तर— रक्षक मेखला।

प्रश्न 13. भारत का सबसे ढीला राहत सुविधा क्षेत्र कौन-सा है ?

उत्तर— मैदान। ***[CBSE 2015]***

प्रश्न 14. संसाधनों के अति उपयोग का कोई एक कारण बताइए।

उत्तर— जनसंख्या में तेजी से वृद्धि। ***[CBSE 2015]***

लघु उत्तरीय प्रश्न : 3 अंक वाले प्रश्न

(उत्तर 80 शब्दों से अधिक न हों)

प्रश्न 1. संसाधनों के अधिक उपयोग से होने वाली समस्याओं की विवेचना कीजिए।

उत्तर— संसाधनों के अधिक उपयोग से होने वाली समस्याएँ निम्नलिखित हैं :

(i) **संसाधनों का ह्रास :** कुछ व्यक्तियों के लालच की पूर्ति के लिए संसाधनों का अधिक उपयोग संसाधनों के ह्रास (कमी) का कारण बनता है।

उदाहरण के लिए, मिनरल आयल के अधिक उपयोग ने ऐसी स्थिति उत्पन्न कर दी है कि जहाँ कुछ देश ऊर्जा संकट का सामना कर रहे हैं।

(ii) **संसाधनों का केंद्रीकरण :** इसने समाज को दो वर्गों में बाँट दिया है 'जिनके पास है' या 'जिनके पास नहीं है' या अमीर और गरीब।

(iii) **वैश्विक पारिस्थितिक संकट :** संसाधनों के अधिक उपयोग ने वैश्विक पारिस्थितिक संकट उत्पन्न कर दिया है जैसे कि—ग्लोबल वार्मिंग, ओज़ोन लेयर में कमी, प्रदूषण और भूमि का निम्नीकरण।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 2. अधिक सिंचाई और खनन भूमि के निम्नीकरण के लिए उत्तरदायी कैसे हैं?

उत्तर— (*i*) अति सिंचाई भूमि के निम्नीकरण का कारण है क्योंकि अति सिंचन से जलभराव के कारण मृदा में लवणीयता और क्षारीयता बढ़ जाती है।

(*ii*) खनिज प्रक्रियाएँ जैसे सीमेंट उद्योग में चूना पत्थर को पीसना और मृदा बर्तन उद्योग में चूने और सेलखड़ी के प्रयोग से बहुत धूल उड़ती है, जब इसकी परत भूमि पर जम जाती है तब मृदा की जल सोखने की प्रक्रिया अवरुद्ध हो जाती है।

प्रश्न 3. प्रकृति, प्रौद्योगिकी और संस्थानों के मध्य संबंध का वर्णन कीजिए।

उत्तर— प्रकृति में बहुत से संसाधन हैं। इन संसाधनों को प्रौद्योगिकी की सहायता से प्रयोग में आने वाली वस्तुओं में बदला जाता है। मनुष्य प्रौद्योगिकी की सहायता से प्रकृति से संबंध बनाता है और आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए संस्थानों का निर्माण करता है।

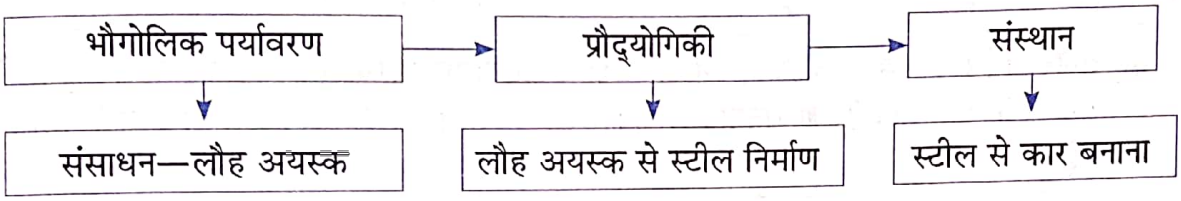

प्रश्न 4. मृदा निर्माण की प्रक्रिया को निर्धारित करने वाले कारकों की विवेचना कीजिए।

उत्तर— (*i*) मृदा बनने की प्रक्रिया में उच्चावच, जनक शैल अथवा संस्तर शैल, जलवायु, वनस्पति और अन्य जैव पदार्थ तथा समय मुख्य कारक हैं।

(*ii*) प्रकृति के अनेक तत्व जैसे तापमान परिवर्तन, बहते जल की क्रिया, पवन, हिमनदी और अपघटन आदि क्रियाएँ मृदा बनने की प्रक्रिया में योगदान देती हैं।

(*iii*) मृदा में जैव और अजैव दोनों प्रकार के पदार्थ पाए जाते हैं।

प्रश्न 5. "वर्तमान पीढ़ी के सतत लाभ के लिए संसाधन-संरक्षण से आप क्या समझते हैं? हमारे संसाधनों के संरक्षण" की आवश्यकता क्यों है? कोई तीन कारण बताएँ।

उत्तर— भावी पीढ़ी के सतत लाभ के लिए संसाधनों का उचित और नियोजित उपभोग **संरक्षण** कहलाता है। यह भावी पीढ़ी की उचित आवश्यकताओं और आकांक्षाओं की पूर्ति भी करता है।

संरक्षण करने के तीन कारण:

(*i*) प्रकृति में हमारे संसाधन सीमित हैं इसलिए उनका उचित प्रयोग किया जाना चाहिए।

(*ii*) प्रकृति में कई संसाधन अनवीकरण योग्य हैं इसलिए अतिरिक्त सावधानी आवश्यक है।

(*iii*) इनका संरक्षण हमारे भरण-पोषण के लिए और हो रही आर्थिक विकास प्रक्रिया के लिए आवश्यक है।

प्रश्न 6. रियो डी जेनेरो पृथ्वी सम्मेलन, 1992, की चार मुख्य विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर— (*i*) 1992 में 100 से भी अधिक राष्ट्राध्यक्ष ब्राज़ील के शहर रियो डी जेनेरो में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी सम्मेलन में एकत्रित हुए।

(*ii*) इस सम्मेलन का आयोजन विश्व स्तर पर उभरते (*i*) पर्यावरण संरक्षण (*ii*) सामाजिक-आर्थिक विकास की समस्याओं का हल ढूँढ़ने के लिए किया गया था।

(*iii*) इस सम्मेलन में एकत्रित नेताओं ने भूमंडलीय जलवायु परिवर्तन और जैविक विविधता पर आधारित घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए।

Scanned with CamScanner

(iv) रियो सम्मेलन में भूमंडलीय वन सिद्धांतों पर सहमति जताई और 21 वीं शताब्दी में सतत पोषणीय विकास के लिए एजेंडा 21 को स्वीकृति प्रदान की। इसका उद्देश्य विश्व सहयोग के द्वारा पर्यावरणीय क्षति, गरीबी और रोगों से निपटना है।

प्रश्न 7. निम्न में अंतर स्पष्ट कीजिए—

(i) वर्तमान परती भूमि और वर्तमान परती भूमि के अतिरिक्त अन्य परती भूमि

(ii) बजंर भूमि तथा कृषि योग्य बंजर भूमि

(iii) शुद्ध बोया गया क्षेत्र और सकल कृषित क्षेत्र

उत्तर—

(i) **वर्तमान परती भूमि :** जहाँ एक वर्ष या उससे कम समय से खेती न की गई हो।	(i) **वर्तमान परती भूमि के अतिरिक्त अन्य परती भूमि :** जहाँ एक से पाँच वर्ष (कृषि वर्ष) से खेती न की गई हो।
(ii) **बंजर भूमि :** इसमें चट्टानें, शुष्क तथा रेगिस्तानी क्षेत्र आते हैं जो वर्तमान में बेकार पड़े हैं।	(ii) **कृषि योग्य बंजर भूमि :** शुष्क भूमि जो पाँच से अधिक (कृषि वर्षों) से बिना जोते पड़ी हुई है।
(iii) **शुद्ध बोया गया क्षेत्र :** एक कृषि वर्ष में कुल बोया गया शुद्ध क्षेत्र।	(iii) **सकल कृषित क्षेत्र :** एक कृषि वर्ष में एक बार से अधिक बोए गए क्षेत्र को शुद्ध बोए गए क्षेत्र में जोड़ दिया जाए तो वह सकल कृषित क्षेत्र कहलाता है।

प्रश्न 8. मृदा क्या है ? यह हमारे लिए आवश्यक संसाधन कैसे है ? दो मुख्य बिंदु बताइए।

उत्तर— पृथ्वी की सबसे ऊपरी परत जो ढीली, खंडित और परिष्कृत है, मृदा कहलाती है। यह जैव तथा अजैव पदार्थों से भरपूर होती है और पौधों की वृद्धि में सहायक होती है। मृदा प्रकृति का सबसे अधिक आवश्यक नवीकरण योग्य संसाधन है।

यह एक आवश्यक संसाधन है क्योंकि—

1. यह पौधों की वृद्धि का माध्यम है।
2. यह पृथ्वी पर रहने वाले विभिन्न जीव-जंतुओं की सहायता करती है।

प्रश्न 9. पर्वतीय मृदा और मरुस्थली मृदा की तुलना कीजिए।

उत्तर—

पर्वतीय मृदा	*मरुस्थली मृदा*
(i) इसका निर्माण यांत्रिक अपक्षय के कारण जैसे— बर्फ, वर्षा और तापमान में परिवर्तन के कारण होता है।	(i) इसका निर्माण चट्टानों के यांत्रिक अपक्षय के कारण होता है।
(ii) सीधे ढलानों के कारण यह उपजाऊ नहीं होती।	(ii) यह ढीली और झरझरी होती है इसलिए उपजाऊ नहीं होती।
(iii) इसमें पोटाश, फास्फोरस और चूने की कमी होती है।	(iii) इसमें जैव तत्वों की कमी होती है।
(iv) गेहूँ, मक्का और चावल की खेती हो सकती है।	(iv) बाजरा उगाया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

1 अंक वाले प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न :

सही विकल्प चुनिए :

1. *चट्टाने तथा धातुएँ किस प्रकार के संसाधन हैं ?*

   (क) नवीकरण योग्य
   (ख) जैव
   (ग) अजैव
   (घ) व्यक्तिगत

2. *मूल आधार पर संसाधन का वर्गीकरण किस प्रकार होगा ?*

   (क) नवीकरण योग्य और अनवीकरण योग्य
   (ख) जैव और अजैव
   (ग) व्यक्तिगत और समुदाय के स्वामित्व
   (घ) संभावित और विकसित

3. *संसाधन जो किसी क्षेत्र में पाया जाता है पर उपयोग नहीं होता, उसे कहते हैं—*

   (क) नवीकरण योग्य संसाधन
   (ख) क्षमता संसाधन
   (ग) जैव संसाधन
   (घ) पुनः चक्रीय संसाधन

4. *वैश्विक पारिस्थितिक संकट जैसे कि ग्लोबल वार्मिंग, ओज़ोन लेयर में कमी, पर्यावरण में प्रदूषण और भूमि-निम्नीकरण-परिणाम हैं—*

   (क) संसाधनों का एक हाथ में संचयन
   (ख) संसाधनों का न्याय संगत उपभोग
   (ग) संसाधनों का अंधाधुंध शोषण
   (घ) उपरोक्त सभी

5. *निरंतर जीवन की गुणवत्ता और वैश्विक शांति के लिए क्या आवश्यक बन चुका है ?*

   (क) संसाधनों का न्यायसंगत वितरण
   (ख) संसाधनों का अन्यायसंगत वितरण
   (ग) संसाधनों का अंधाधुंध शोषण
   (घ) उपरोक्त सभी

Scanned with CamScanner

6. *संसाधन नियमन की प्रक्रिया में शामिल हैं—*
   (क) देशभर में पहचान और संसाधनों की सूची
   (ख) संसाधन की विकास योजना को लागू करने के लिए उपयुक्त तकनीक, दक्षता और संस्थागत ढाँचा तैयार करना
   (ग) संसाधन के विकास की योजना का संपूर्ण राष्ट्र के विकास की योजना से समन्वय
   (घ) उपरोक्त सभी

7. *गाँधी जी के अनुसार वैश्विक स्तर पर संसाधनों के ह्रास का मूल कारण क्या था ?*
   (क) लालची और स्वार्थी व्यक्ति
   (ख) आधुनिक प्रौद्योगिकी की शोषण प्रवृत्ति
   (ग) अत्यधिक उत्पादन
   (घ) उपरोक्त सभी

8. *भारत का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल है—*
   (क) 3.28 लाख वर्ग कि.मी.
   (ख) 32.8 लाख वर्ग कि.मी.
   (ग) .328 लाख वर्ग कि.मी.
   (घ) 328 लाख वर्ग कि.मी.

9. *बंजर भूमि में सम्मिलित हैं—*
   (क) उपजाऊ मैदान और तराई क्षेत्र
   (ख) पर्वतीय, शुष्क व रेगिस्तानी क्षेत्र
   (ग) पठारी क्षेत्र के कुछ भाग
   (घ) इनमें से कोई नहीं

10. *झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्यों में भूमि निम्नीकरण के लिए कौन से कारण उत्तरदायी हैं ?*
   (क) अति पशुचारण
   (ख) अधिक सिंचाई
   (ग) खनन
   (घ) उपरोक्त सभी

Scanned with CamScanner